<u>पाठ योजना सह निगरानी उपकरण(प्रा.शि/मु.अ/ प्र. स्ना॰ शि/उप.प्रा .)</u>

<u>(क) पाठ योजना</u>

कक्षा / अनुभाग <u>चौथी</u> विषय <u>हिन्दी</u> पाठ **:12** <u>सुनीता की पहिया कुर्सी</u> कालांश की संख्या .... प्रारंभ होने की तिथि .... पूरा होने की उम्मीद की तिथि .... पूरा होने की वास्तविक तिथि ....

<u>पाठ योजना सह निगरानी उपकरण(प्रा.शि/मु.अ/ प्र. स्ना॰ शि/उप.प्रा .)</u>

पाठ का सार	लक्षित शिक्षण अधिगम निष्कर्ष	**शिक्षण अधिगम सुझावित क्रियाकलाप**	लक्षित अधिगम निष्कर्ष एवं उच्च वर्ग हेतु प्रश्न एवं अन्य विषयो से सह-संबंध	जीवन-कौशल के विकास हेतु सामग्री	**जीवन-कौशल के विकास हेतु सुझावित क्रियाकलाप**	**जीवन - कौशल के मूल्याँकन की विधियाँ**
पाठ का सार	अध्ययन - लक्षित परिणाम	1. शुद्ध उच्चारण के साथ पठन । 2.पहिया कुर्सी का चित्र बनाना । 3.नए शब्द लिखना और अर्थ समझना। 4.तोल और मापने के पैमानों की जानकारी देना । जैसे:- दाल - एक किलोग्राम। दूध - एक लीटर 5.प्रश्नोत्तरी । 6. सुनीता को किन–किन कामों में परेशानी आएगी? सूचीबनाओ :-	सामान्य वर्ग:- 1.पहिया कुर्सी अन्य कुर्सियों से भिन्न कैसे होती है? 2.पैरों से विकलांग लोग किस –किस चीज़ की मदद से चलतेहैं? 3.सुनीता कौन-कौन से खेल, खेल सकती थी? 4.बैसाखियों का चित्र बनाओ और इसके लिए कौनसा सामान इस्तेमाल होता है? लिखो। 5.पाठ में से सर्वनाम चुनो और लिखो। उच्चवर्ग:-	जीवन समावेशित मूल्यों का विकास	जीवन मूल्यों के लिए सुझावित क्रिया कलाप	जीवन मूल्यों के मूल्यांकन की गतिविधियाँ

		7. एक- अनेक (रिक्त स्थान में सही शब्द भरना) 8. श्रुतलेख। 9. वाक्य-प्रयोग । 10.पहिया कुर्सी का मॉडल बनवाना।	1.स्वावलंबन पर अनुच्छेद लिखो । 2.जब तुम कहीं घूमने जाते हो तो सड़क के आसपास क्या-क्या देखते हो? अन्य विषयों के साथ सम्बन्ध:- पर्यावरण अध्ययन , चित्रकला, नैतिक-शिक्षा ।			

“सुनीता की पहिया कुर्सी” पाठ विकलांग लोगों के प्रति सहानुभूति और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के बारे में है I	1.शुद्ध उच्चारण और उचित विराम चिन्हों को ध्यान में रखकर पढ़ सकेंगे। 2.चित्रकला का विकास । 3.मौखिक अभिव्यक्ति का विकास । 4.नए शब्दों की जानकारी । 5.सर्वनाम का प्रयोग करना सीखेंगे । 6.एक–अनेक का ज्ञान । 7.प्रश्नों के उत्तर स्वयं लिख सकेंगे 8.नए शब्दों के अर्थ जानना । 9.पत्रलेखन की क्षमता का विकास। 10.रचनात्मक अभिव्यक्ति का विकास ।			1.मदद करना। 2.दूसरोँ के प्रतिसहानुभूति । 3.आत्मनिर्भर होना। 4.मुश्किलों को हल करना। 5.अच्छा व्यवहार	1.कहानी द्वारा। 2.नाटकी –करण द्वारा। 3.चलचित्र द्वारा।	1.कक्षा की गतिविधियों के निरीक्षण के द्वारा । 2.दूसरों की मदद कैसे करोगे:- (परिचर्चा करवाई जाएगी)

शिक्षक का नाम **एवं हस्ताक्षर** : श्रीमती आशा लता (प्राथमिक शिक्षिका) **तिथि :-**